एकात्म भारत के लिए
सुरेंद्र मिश्रा द्वारा प्रकाशित

एकात्म भारत

@EkatmaBharat
दैनिक एकात्म भारत

अश्विन कृष्ण पक्ष एकादशी
गुरुवार विक्रम संवत् 2076

जो एकात्म है वही भारत है

24-10- 2019, इंदौर
e-paper : www.ekatmabharat.com

आपके पौरुष पर सवाल है कमलेश तिवारी की हत्या

कमलेश तिवारी की हत्या का समाचार सुनकर बुरा लगा लेकिन आश्चर्य नहीं हुआ। संभवतः कमलेश तिवारी स्वयं भी यदि अपनी हत्या का समाचार सुनते तो आश्चर्यचकित नहीं होते क्योंकि उन्होंने कई बार इसकी आशंका जताई थी। राजनीति में न होने के बावजूद मुझे इस बात का अंदेशा हमेशा से था। क्योंकि मुझे सत्ता की भी समझ है और शांतिप्रिय लोगों की भी। हालांकि उत्तर प्रदेश में योगी राज आने के बाद लगता था कि हिंदू और हिंदुत्व सुरक्षित होगा। लेकिन अब तक परिणाम अपेक्षा के विपरित रहा। कमलेश तिवारी ने जो किया वो सही था गलत इसकी बहस भी चलती रहेगी लेकिन ये भी देखना होगा कि बहस करने वाले कौन हैं? स्व. तिवारी के बयान के बाद जो 'शांतिप्रिय हंगामे" देश में हुए वो सबने देखे थे। लेकिन तिवारी की हत्या के बाद विरोध केवल फेसबुक और ट्विटर तक ही सीमित रहा है। यह प्रश्न यदि एक आम हिंदू स्वयं ने नहीं पूछता तो कम से कम उस हिंदू वादी ने अवश्य पूछना चाहिए जिसने सोशल मीडिया पर स्वयं को हिंदू वादी घोषित किया हुआ है और उस व्यक्ति की तो कॉलर पकड़कर पूछना चाहिए जिसने आप से हिंदुत्व के नाम से वोट मांगे थे।

2014 में सत्ता परिवर्तन के बाद से ही देश में माहौल बदला है लेकिन अब भी हिंदू इससे मेरा क्या बिगड़ता है कि सोच से आगे नहीं आ पाया है। और हिंदुवादी, जो पहले जनसमर्थन मिले या मिले सड़क पर होते थे, वे भी अब चुप हो गए हैं। ऐसे में सबसे बड़ा संकट ये हैं कि हिन्दुओं के लिए आवाज कौन उठाएगा? कमलेश तिवारी और उन जैसे अनेक व्यक्ति अपनी सीमाओं में, इस कौन के उत्तर थे। इसके चलते इन जैसे लोगों की हिंदू समाज के आवश्यकता हमेशा रहेगी। फिर भले ही ये लोग किसी भी संगठन से जुड़े रहे हों। यह भी सही है कि कमलेश तिवारी उपेक्षित थे। पहले हिन्दूवादी किसी भी संगठन या स्थान उससे स्वीकार्य माना जाता था लेकिन अब विचार की तुलना में संगठन महत्वपूर्ण हो गया है। ऐसे लोग भी संगठन में आकर हिन्दूवादी घोषित हो गए हैं जो कि हमेशा से सत्ता के साथ कदमताल करते दिखते हैं। इस मानसिकता के चलते कमलेश तिवारी भी प्रखर हिन्दूवादी विचार के बाद भी उपेक्षित ही रहे। लेकिन उनकी हत्या हिन्दुवादियों को एक चुनौती और अवसर दोनों है। परिवार का दायरा बढ़ाइए और उसमें हर हिन्दुवादी को सहर्ष स्वीकार कीजिए फिर भले ही वो किसी भी संगठन का क्यों न हों। हत्यारों से कम से कम इतना तो सीखा ही जा सकता है। कमलेश तिवारी की हत्या की बदला खुद को बदलकर लें। यही श्रद्धांजलि होगी और यही समय की मांग है कि हम हर हिन्दूवादी के पक्ष में खड़े हों। (एकात्म भारत)

जीतने पर राम मंदिर के लिए पूरी 67 एकड़ भूमि की मांग की जाएगी

मामले में तीसरे पक्षकार रामलला विराजमान के सखा त्रिलोकी नाथ पांडे ने कहा

एकात्म भारत. अयोध्या

अयोध्या के मंदिर मस्जिद केस के प्रमुख तीन पक्षकारों में से एक रामलला विराजमान के सखा पक्षकार त्रिलोकी नाथ पांडे ने कहा कि अयोध्या में 2.77 एकड़ नहीं बल्कि सिर्फ 0.33 एकड़ जमीन ही विवादित है, जिस पर अधिकार का निर्णय सुप्रीम कोर्ट से होना है। पांडे ने बताया कि रामलला विराजमान के पक्ष में निर्णय आने के बाद राम मंदिर के निर्माण का रास्ता साफ हो जाएगा। इसके साथ ही वीएचपी की राम जन्म भूमि न्यास के की 45 एकड़ जमीन के साथ ही पूरी अधिग्रहित जमीन की मांग सरकार से की जाएगी।

अयोध्या मामले की सुनवाई पूरी होने के बाद अब धर्मनगरी में सुप्रीम कोर्ट का फैसला आने का बेसब्री से इंतजार किया रहा है। एक ओर जहां सभी की निगाहें सुप्रीम कोर्ट की संवैधानिक पीठ पर टिकी हैं, वहीं वीएचपी ने अपने पक्ष में फैसला आने की उम्मीद के साथ अब मंदिर निर्माण की तैयारियां शुरू कर दी है। वीएचपी के प्रवक्ता शरद शर्मा का कहना हैं कि मंदिर के पक्ष में फैसला आने की पूरी संभावना है। ऐसे में हम विवादित जमीन के अलावा एक विशाल क्षेत्र की भी मांग सरकार के सामने रखेंगे। कल्याण सिंह ने कराया था 42 एकड़ जमीन का अधिग्रहण पांडे के मुताबिक यूपी के पूर्व सीएम कल्याण सिंह ने विवादित क्षेत्र से सटी 42 एकड़ जमीन का अधिग्रहण कर इसे राम जन्म भूमि न्यास को राम कथा कुंज प्रॉजेक्ट के लिए दिया था।

वीएचपी ने इससे ही जुड़ी 3 एकड़ जमीन खुद खरीद रखी थी। जिस पर न्यास की करोड़ों की निर्माण सामग्री भी पड़ी है। उन्होंने कहा कि ढांचा विध्वंस के बाद केंद्र सरकार ने विवादित स्थल के पास की 67 एकड़ जमीन का अधिग्रहण कर लिया था। जिसमें वीएचपी के कब्जे वाली 45 एकड़ जमीन भी शामिल है। पांडे ने कहा कि अधिग्रहण के समय राम जन्म भूमि न्यास ने इस जमीन का मुआवजा लेने से इनकार कर दिया था और 45 एकड़ जमीन को न्यास को वापस करने की मांग भी की थी। अब फैसला पक्ष में आने पर वीएचपी मंदिर निर्माण के लिए पूरी 67 एकड़ अधिग्रहीत जमीन के साथ अतिरिक्त जमीन की भी मांग करेगा।

वीएचपी प्रवक्ता ने कहा कि सीएम योगी आदित्यनाथ का पूरा फोकस अयोध्या को अंतरराष्ट्रीय स्तर की धार्मिक पर्यटन नगरी के रूप में विकसित करने पर है, ऐसे में भव्य एवं विशाल राम मंदिर के निर्माण में जमीन की कमी बाधा नहीं बनेगी।

अटलजी ने बनाया अजजा आयोगः कुलस्ते

डबल चौकी (देवास)

समीप अखेपुर एक परिसर में शनिवार को फ्रेंड्स ऑफ ट्राइब्स इंडिया व आदिवासी प्रतिभा सम्मान समारोह हुआ। केंद्रीय इस्पात राज्य मंत्री फग्गनसिंह कुलस्ते व ट्राइफेड के नेशनल चेयरमैन रमेशचंद्र मीणा मुख्य अतिथि थे। मंत्री कुलस्ते ने कहा-2014 में भाजपा की सरकार बनने के बाद आदिवासियों के हित में कई कार्य हुए।

अजजा आयोग का गठन हुआ। जो आदिवासी हित की बात करते हैं, उन दल के नेताओं को यह बताना चाहिए कि जब अवसर मिला था तब इस आयोग का गठन क्यों नहीं किया। सड़क पर आदिवासी हित की बात करने से कुछ नहीं होता। विशेष अतिथि पूर्व मंत्री दीपक जोशी, बागली विधायक पहाड़सिंह कन्नौजे, वनवासी कल्याण आश्रम के सदस्य हर्ष चौहान, मानसिंह वर्मा उपस्थित रहे। संयोजक डॉ रवि वर्मा ने स्वागत किया। सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ ही प्रतिभाओं का सम्मान भी किया गया। विधायक कन्नौजे, धीरज निनामा, हरिओम मीणा, भोलाराम निनामा, जय मीणा, डॉ ऐश्वर्या मीणा, रेशम मुजाल्दे, मोहनलाल मीणा, कीर्ति राज राठौड़ आदि प्रतिभाओं का सम्मान किया गया।

आदिवासियों की मान प्रतिष्ठा के बारे में कांग्रेस ने सोचा ही नहीं है। भाजपा सरकार ने आदिवासी क्रांतिकारियों के स्थानों को चिह्नित किया और उनका डेवलपमेंट कराया। वहां पर कार्य करने की योजना बनाई वहां पर धन खर्च किया।अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देखेंगे तो भारत की स्थिति बेहतर है। मैं मानता हूं कि आज थोड़ा संकट जरूर है परंतु हम बहुत जल्दी इसको भरने वाले हैं। हम जिस काम में लगे हैं। हमें इस काम को पूरा करना है। पार्टी संगठन के ऊपर सारे निर्णय रहते हैं। पार्टी जो निर्णय करती है उस निर्णय के आधार पर हम आगे बढ़ते हैं।

सेवा के शिल्पकार तैयार कर रही सेवा भारती

गिरिडीह. प्रांतीय सेवा भारती द्वारा 13 से 20 अक्टूबर तक पचंबा स्थित बगेड़िया धर्मशाला में यह प्रशिक्षण वर्ग का आयोजन किया गया। समापन समारोह में सेवा भारती के जिलाध्यक्ष प्रो. सतीश्वर प्रसाद सिन्हा ने कहा कि सेवा भारती सेवा प्रशिक्षण के माध्यम से सेवा के शिल्पकार तैयार कर रही है। प्रशिक्षण वर्ग व सेवा भारती के कार्य के बारे में वर्गाधिकारी अरुणा सिंह ने कहा कि इस छह दिवसीय सेवा प्रशिक्षण वर्ग में 125 सेवाव्रती महिलाओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। ये महिलाएं अपने-अपने क्षेत्रों में पहुंचकर सेवा, संस्कार, स्वास्थ्य आदि के प्रति जागरूकता लाने का कार्य करेंगी। अस्मिता कुमारी ने बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ पर हृदयस्पर्शी गीत गया। साथ ही नशा मुक्ति पर नाटिका प्रस्तुत की एवं आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रम किया गया। मौके पर प्रशिक्षुओं ने अपने अनुभव बांटे और सेवा कार्य के लिए संकल्प लिए।